Maharaja Surajmal Brij University

Bharatpur (Raj.)

SYLLABUS

B.A. HISTORY

PAPER I, II & III

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Helpstudentlife.com

B. A. Part-I

2. HISTORY

The scheme of examination will be as follows:

Scheme:

Maximum Marks 200		Minimum Pass Marks 72
Paper I	3 hrs. Duration	Marks 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks 100

Note: There shall be tow papers in all in the subject of history, and each paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each paper shall consist of two parts. Parts I shall carry 40 marks and shall consist of two compulsory questions. The first compulsory question will be of 20 marks, comprising of 10 very short answer type questions of two marks each. The answer to each question should not exceed 20 words.

The second compulsory question will be of 20 marks. It will comprise of 10 short answer type questions of 04 marks each, the candidate will be required to answer any 05 questions. The answer to each question should not exceed 50 words.

The second part of the question paper shall be divided into three sections comprising of 06 essay type questions, containing 02 questions from each section, of 20 marks each. Candidate will be required to answer 03 questions, selecting one question from each section. This part of the question paper shall be of 60 marks.

परीक्षा योजना:

अधिकतम अंक 200		न्यूनतम उत्तीर्णांक 72
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घंटे	अंक 100

नोट : इतिहास विषय के कुल दो प्रश्नपत्र होंगे, प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं 100 अंकों का होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। प्रथम भाग 40 अंको का होगा एवं इस भाग में दो अनिवार्य प्रश्न होंगे। 20 अंकों के प्रथम अनिवार्य प्रश्न में, दो–दो अंक के 10 अनिवार्य अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 20 शब्द ।

20 अंकों के द्वितीय अनिवार्य प्रश्न में, चार–चार अंको के 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। जिनमें से 05 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द ।

प्रश्नपत्र के द्वितीय भाग में, पाठ्यक्रम के तीन खण्डों में से, प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल 06 निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा। परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्न हल करने होंगे। प्रश्नपत्र का यह भाग 60 अंकों का होगा।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session
2020-21

Helpstudentpoint.com

PAPER I: HISTORY OF INDIA
(FROM THE BEGINNING UPTO 1200 A.D.)

Section-A

Main sources of the history of india upto 1200 A.D. The Indus-Saraswati civilization- origin, extent, salient features, decline and continuity. The vedic age - Vedic literature, polity, society, economy and religion. Rise of Janapadas and Mahajanapadas- monarchies and republics. Jainism and Buddhism- origins, techings, contribution.

Section-B

Chandragupta maurya and Asoka. Asoka's Dhamma - its nature and propagation, art and architectur. The post- Mauryan Period (c. 200 B.C. to 300 A.D.) - achlevements of the sungas, Satavahanas, Sakas and Kushanas. The Sangam age - Literaturem, society, economy, and culture.

Section -C

The Gupta empire - achievements of Samudragupta, Chandragupta II Vikramaditya, Skandagupta. Social and Economic life. Religious thought and institution. . Development in literature, arts and sciences, Post-Gupta period upto 750 A.D. - achievements of the Vardhanas, Chalukyas and Pallavas. The Imperial Cholas and their achievements.

प्रथम प्रश्नपत्र : भारत का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

खण्ड–क

1200 ईस्वी तक भारत के इतिहास के मुख्य स्त्रोत। सिन्धु–सरस्वती सभ्यता – उद्गम, विस्तार, प्रमुख विशेषताएँ, पतन एवं निरंतरता। वैदिक युग – वैदिक साहित्य, राजशसन, समाज अर्थव्यवस्था एवं धर्म। जनपदों एवं महाजनपदों का उदय– राजतंत्र एवं गणतंत्र। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म– उद्गम, शिक्षाएँ, योगवान।

खण्ड–ख

चन्द्रगुप्त मौर्य एवं अशोक। अशोक का धम्म : इसकी प्रकृति एवं प्रचार। कला एवं स्थापत्य। मौर्योत्तर काल (लगभग 200 ई.पू. से 300 ईस्वी) : शुंगों, सातवाहनों, शकों एवं कुषाणों की उपलब्धियाँ। संगम युग – साहित्य, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति।

Helpstudentpoint.com

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

खण्ड–ग

गुप्त साम्राज्य– समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य, स्कंदगुप्त की उपलब्धियाँ। सामाजिक एवं आर्थिक जीवन। धार्मिक विचार एवं संस्थाएँ। साहित्य, कला एवं विज्ञान का विकास। 750 ईस्वी तक गुप्तौत्तर काल – वर्धनों : चालुक्यों एवं पल्लवों की उपलब्धियाँ। साम्राज्यवादी चोल एवं उनकी उपलब्धियाँ।

Books Recommended:

H.D. Sankalia	Prehistory of India, Munshiram Manoharlal, New Delhi, 1977
Dilip k.Chakrabarti	India: An Archaeological History (Pelaeolithic Beginnings to Early Historic Foundations), Oxford University Press, New Delhi, 1999
B.B.Lal	India 1947-1997: New Light on the Indus Civilisation, Delhi, 1998
R.K. Mookerji	Chandragupta Maurya and His Times, Delhi, 1952 (also in Hindi)
	Asoka, Delhi, 1972(also in Hindi)
B.N.Puri	India under the Kushanas, Bombay, 1965
R.C. Majumdar & Altekar	The Vakataka-Gupta age (also in Hindi)
विदुला जायसवाल	भारतीय इतिहास का नव–प्रस्तर युग, दिल्ली, 1962
के.के. थपल्याल एवं एस.पी. शुक्ला	सिन्धु सभ्यता, लखनऊ, 1976
मदन मोहन सिंह	बुद्धकालीन समाज और धर्म, पटना, 1972
पी.एल. गुप्ता	गुप्त साम्राज्य
विशुद्धानन्द पाठक	उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, लखनऊ, 1990
बलराम श्रीवास्तव	दक्षिण भारत का इतिहास, वाराणसी, 1968
के.सी. श्रीवास्तव	प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, इलाहावाद

Helpstudentpoint.com

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

PAPER - II : HISTORY OF RAJASTHAN
(FROM EARLIEST TIMES TO 1956 A.D.)

Section - A

A Survey of the sources of the history of Rajasthan. Characteristics of Kalibangan culture. Matsya Janapada and Republican Tribes in Rajasthan. Rise and Expansion of Guhilas, Gurjara-Pratiharas and Chahamanas.

Section - B

Rajput resistance to Muslim invasion in Rajasthan. Mewar under Maharana Kumbha and Sanga. Maharana Pratap's struggle for independence. History of Jat Kingdom of Bharatpur with special reference to Thakur Badan Singh and Maharaja Surajmal. Meera and Dadu. Art and architecture – fort architecture, temples.

Section - C

Economic changes - Land Revenue Settlements. British Monopoly of Salt and Opium Trade. Outbreak of 1857 in Rajasthan. Influence of Arya Samaj in Rajasthan. A brief survey of Peasant Movements and Tribal Movements. Formation of Praja Mandals and Freedom Struggle in Rajasthan. Integration of the States of Rajasthan with special reference to Bharatpur and Dholpur.

द्वितीय प्रश्नपत्र : राजस्थान का इतिहास
(आरम्भिक काल से 1956 ईस्वी तक)

खण्ड–क

राजस्थान के इतिहास के स्त्रोतों का सर्वेक्षण। कालीबंगा संस्कृति की विशेषताएँ। राजस्थान में मत्स्य जनपद एवं गणतांत्रिक जातियाँ। गुहिलो, गुर्जर–प्रतिहारों एवं चाहमानो का उत्कर्ष एवं विस्तार

खण्ड–ख

राजस्थान में मुस्लिम आक्रमणों का राजपूत प्रतिरोध। महाराणा कुंभा एवं सांगा के अधीन मेवाड़। महाराणा प्रतापका स्वतंत्रता के लिए संघर्ष। भरतपुर साम्राज्य का इतिहास – ठाकुर बदनसिंह और महाराजा सूरजमल के विशेष संदर्भ। मीरा एवं दादू। कला एवं स्थापत्य – दुर्ग स्थापत्य – मंदिर।

खण्ड–ग

आर्थिक परिवर्तन – भू राजस्व बंदोबस्त। नमक एवं अफीम व्यापार पर ब्रिटिश एकाधिकार। राजस्थान में 1957 का विप्लव। राजस्थान में आर्य समाज का प्रभाव। कृषक आन्दोलनों एवं जनजातीय आन्दोलनों का एक संक्षिप्त सर्वेक्षण। राजस्थान में प्रजामंडलों का गठन एवं स्वाधीनता संघर्ष। राजस्थान के राज्यों का एकीकरण। भरतपुर और धौलपुर के विशेष संदर्भ में।

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Helpstudentpoint.com

Book Recommended:

Dashrath Sharma	Rajasthan through the Ages, Vol. I, Bikaner, 1966
	Eaarly Chauhan Dynasties, Delhi, 1975
G.N. Sharma	Rajasthan through the ages, Vol. II.
	Mewar and the Mughal Emperors
	Social Life in Medieval Rajasthan
M.S. Jain	Rajasthan through the ages, Vol. III
	Surplus to Subsistence, Delhi, 1994
	Concise History of Modern Rajasthan
D.C. Shukla	Early History of Rajasthan, Delhi, 1994.
B.N. Puri	The History of the Gurjara-Praiharas, Delhi, 1975
Shanta Rani Sharma	Society and Culture in Rajasthan (700-900 A.D.) Delhi 1996
B.S. Bhatnagar	Life & Times of Sawai Jai Singh (also in Hindi)
V.N. Misra	Rajasthan: Prehistoric and Early Historic Foundations, Aryan Books International, New Delhi, 2007.
Rima Hooja	A History of Rajasthan, Rupa & Co, New Delhi, 2006. The Ahar Cultural and Beyond, oxford, 1988.
गोपीनाथ शर्मा	राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
विशुद्धानन्द पाठक	उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, लखनऊ।
एम.एस. जैन	आधुनिक राजस्थान का इतिहास, जयपुर।
रामप्रसाद व्यास	आधुनिक राजस्थान का वृहत इतिहास, खण्ड। एवं खण्ड ।। राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
उपेन्द्रनाथ शर्मा	ब्रजेन्द्र बहादुर महाराजा सुरजमल जाट मंगल, प्रकाशन, जयपुर
जी.सी. द्विवेदी	जाट और मुगल साम्राज्य, दिल्ली

Helpstudentpoint.com

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)